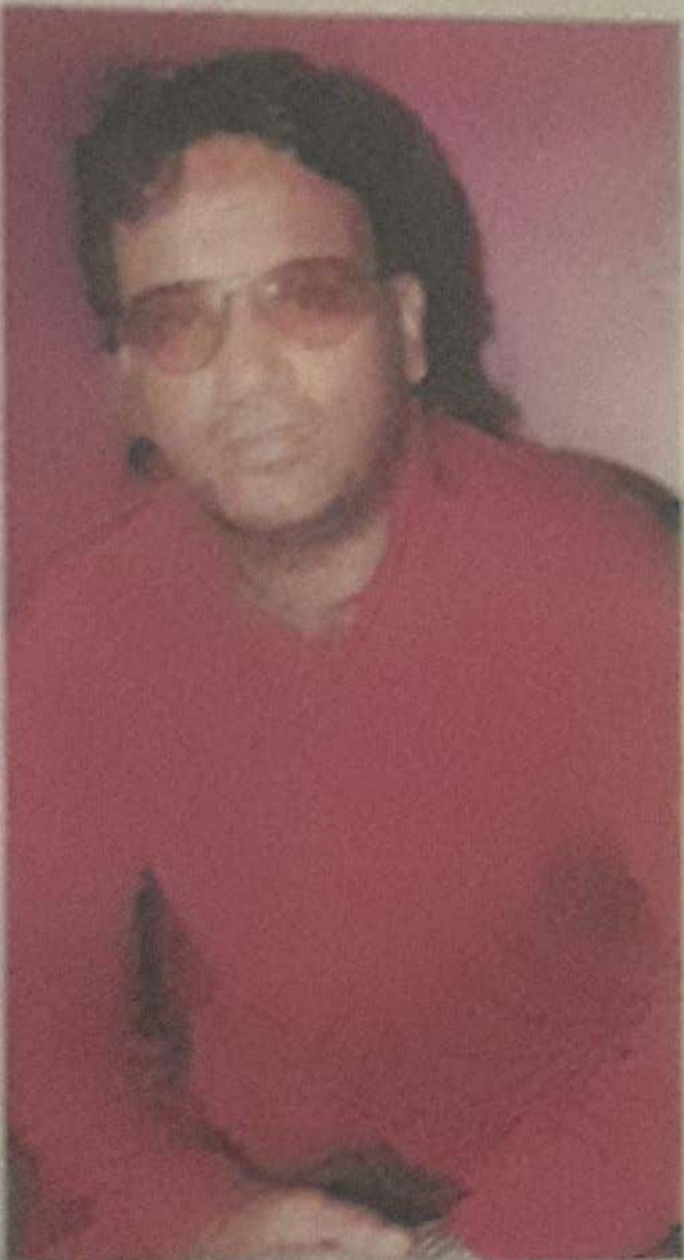
टैलेंट की तलाश में



टैलेंट की तलाश में निकले शादाब भारतीय।

सिटी रिपोर्टर | भोपाल

'मैं जब-जब भोपाल आया हूं यहां के कलाकारों ने मुझे काफी आकर्षित किया है। मैं यहां टीम के साथ टैलेंट हंट आयोजित करने की योजना बनाने आया हूं और इसका विजेता हमारे आने वाले प्रोजेक्ट में काम करेगा।' यह कहना है संगीतकार शादाब भारतीय का, जो मंगलवार को भोपाल प्रवास पर पहुंचे। सिटी भास्कर से विशेष बातचीत में उन्होंने योजना के बारे में बताया। उनके मुताबिक असली प्रतिभा को मौका मिलना ही चाहिए और यही उनका प्रयास है।

टैलेंट हंट में हैं बेहतर मौके : श्री भारतीय के मुताबिक बच्चों के लिए जो टैलेंट हंट आयोजित किए जाते हैं, वे एक बेहतरीन मौके हैं। बच्चे प्रतियोगिताओं को गंभीरता से लें और अगर बच्चों की रुचि इस तरह के कार्यक्रमों में है तो अभिभावकों को उनकी रुचि के अनुसार प्रशिक्षण की व्यवस्था करने का प्रयास करना चाहिए। इस तरह की प्रतियोगिताओं में जीत हासिल कर बच्चे इस लाइन में अपना करियर भी बना सकते हैं। बच्चों के लिए जरूरी है कि उन्हें शास्त्रीय संगीत की सही तालीम दी जाए, ताकि उनकी नींव मजबूत हो।

जो दिल को अच्छा लगे वही संगीत : लगातार बदलते संगीत के बारे में श्री भारतीय का कहना है कि कोई संगीत अच्छा या बुरा नहीं होता। इसकी कोई परिभाषा नहीं है। उन्होंने कहा कि जो संगीत रूह में उतरे और दिल को अच्छा लगे वही संगीत अच्छा है। ऐसा संगीत जो आपको सुकून पहुंचाए वही सुनना चाहिए।

श्री भारतीय ने कहा कि संगीत के लिए युवाओं को आगे आना चाहिए। विदेशों से कई लोग यहां आकर भारतीय संगीत की तालीम लेते हैं, जबकि हम उतनी कदर नहीं कर पाते। युवाओं को चाहिए कि वे शास्त्रीय संगीत में भारत की एक अलग पहचान बनाएं।